Chapter- 6

मदर टेरेसा

STUDY NOTES

विषय सारांश

एक नज़र में :

- मदर टेरेसा का वास्तविक नाम अगनेस गोंझा बोयाजिजू था।
- उनका जन्म 27 अगस्त 1910 को स्कोप्जे (सर्बिया नगर), दक्षिण यूगोस्लोविया में हुआ था।
- इनके पिता का नाम निकोला तथा माता का नाम ड्रानाफिल था।
- 18 वर्ष की आयु में मदर टेरेसा ने आइरिश धर्म परिवार लारेंटों में शामिल होके मानव सेवा करना शुरू किया।
- 1928 में ये दार्जिलिंग के लॉरेंटों कॉन्वेंट में अध्यापिका बनकर भारत आ गई।
- 1929 में कोलकाता के सेंट मेरी हाई स्कूल में अध्यापन कार्य शुरू किया।
- 1946 में इन्होने मानव सेवा करने का संकल्प लिया।
- इन्होने कोलकाता में अनेक शिक्षा केंद्र, कुष्ठ रोग चिकित्सा केंद्र, भोजनालय आदि की स्थापना की।
- मदर टेरेसा को पोप जॉन पॉल द्वारा शांति पुरस्कार मिला।
- भारत सरकार ने इन्हे पद्मश्री व भारत का सर्वश्रेष्ठ सम्मान भारत रत्न प्रदान किया।
- 19 दिसंबर 1979 को इन्हे मानव सेवा के लिए नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया।
- 5 सितंबर 1997 को मदर टेरेसा की मृत्यु हुई।

शिक्षण के प्रतिफल -

- अपने लिए सब जीते हैं, कार्य करते हैं परंतु वही व्यक्ति महान है जो दूसरों के लिए कार्य करता है।

मौखिक

१. श्रुतलेख एवं उच्चरण अभ्यास -

सक्षात्	समर्पित	निश्चय	नियुक्त	हृदय
वार्षिक	नर्सिंग	चिकित्सा केंद्र	पद्मश्री	सम्मानित

२. कम से कम् शब्दों में उत्तर दीजिए।

क) मदर टेरेसा का बचपन का नाम बताइए।

उ - मदर टेरेसा का बचपन का नाम 'अगनेस गोंझा बोयाजिजू' था।

ख) मदर टेरेसा का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

उ - मदर टेरेसा का जन्म 27 अगस्त 1910 को स्कोप्जे (सर्बिया नगर), दक्षिण युगोस्लोविया में हुआ था।

ग) मदर टेरेसा ने कौन-से विद्यालय से अध्यापन कार्य आरंभ किया ?

उ - मदर टेरेसा ने कोलकाता के सेंट मेरी हाई स्कूल में अध्यापन कार्य आरंभ किया।

घ) मदर टेरेसा का निधन कब हुआ ?

उ - मदर टेरेसा का निधन 5 सितंबर 1997 को हुआ।

लिखित

१. उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए।

(नर्सिंग, सेवा, नोबेल पुरस्कार, ममता, निर्मल हृदय होम)

क) मदर टेरेसा ममता और सेवा की साक्षात् मूर्ति थी।

ख) इन्होंने पटना में नर्सिंग की ट्रेनिंग ली।

ग) इन्होंने कोलकाता में असहाय बूढ़ों को सहारा देने के लिए पहला निर्मलहृदय होम स्थापित किया।

घ) इन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

२. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) 18 वर्ष की आयु में मदर टेरेसा ने क्या निश्चय किया ?

उ - १८ वर्ष की आयु में मदर टेरेसा ने आइरिश धर्म परिवार लॉरेंटो में शामिल होने का निश्चय किया।

ख) मदर टेरेसा के माता-पिता का नाम लिखिए।

उ - मदर टेरेसा के माता का नाम ड्रानाफिल और पिता का नाम निकोला था।

ग) सन १९४६ में इन्होने किस बात का संकल्प लिया था ?

उ - सन १९४६ में इन्होने मानव सेवा करने का संकल्प लिया था।

घ) मदर टेरेसा ने कोलकाता में किन-किन केंद्रों की स्थापना की थी।

उ - मदर टेरेसा ने कोलकाता में शिक्षा केंद्र, कुष्ठरोग चिकित्सा केंद्र, भोजनालय आदि की स्थापना की थी।

ङ) मदर टेरेसा को कौन-कौन सी उपधियों से सम्मनित किया गया ?

उ - मदर टेरेसा को शांति पुरस्कार, पदमश्री, भारत रत्न, नोबेल पुरस्कार तथा ऑर्डर ऑफ़ मेरिट से सम्मानित किया गया था।

३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए।

क) मदर टेरेसा किन कारणों से दुनिया में पहचानी गईं ?

उ - मदर टेरेसा ने अपना संपूर्ण जीवन दीन-दरिद्र, बीमार, लाचार और असहाय लोगों की सेवा में समर्पित कर दिया। माँ के समान बिना घृणा भाव के वे सब की सेवा करती थी। उनकी इसी नि:स्वार्थ सेवा के कारण वे दुनिया में पहचानी गई।

ख) 'मदर टेरेसा का जीवन उनका अपना नहीं था।' इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।

उ - मदर टेरेसा ने अपना संपूर्ण जीवन बीमार, लाचार, असहाय लोगों की सेवा में लगा दिया। बिना कोई भेद-भाव या घृणा भावना के ये 87 साल की उम्र तक मानव सेवा करती रहीं। उन्होने कभी अपने स्वार्थ के बारे में न सोचा और ना कोई कार्य अपने हित में किया।

भाषा ज्ञान

१. नीचे लिखे शब्दों से विशेषण बनाइए -

साहस-साहसी विश्वास-विश्वासी

शांति-शांत शिक्षा-शिक्षित

२. नीचे लिखे शब्द स्त्री लिंग है या पुल्लिंग? लिखिए -

क) गरीब - पुल्लिंग

ख) बूढ़ा - पुल्लिंग

ग) प्रधानाध्यापिका - स्त्रीलिंग

घ) माँ - स्त्रीलिंग

ङ) मानव - पुल्लिंग

च) स्कूल - पुल्लिंग

३. निम्नलिखित वाक्यों में भाववाचक संज्ञा शब्दों को पहचानकर लिखिए।

क) मदर टेरेसा ममता की मूर्ति थीं। 'ममता'

ख) मदर टेरेसा ने अपना जीवन निसहाय जनों की सेवा में लगा दिया। 'सेवा'

ग) मदर टेरेसा बहुत संवेदनशील थीं। 'संवेदनशील'

♦♦♦